

बाँस के साथ दुबारा चुत चुदाई का मजा-1

“पार्टी के बाद बाँस ने मुझे चोदा, ये आप मेरी पिछली टू सेक्स स्टोरी में पढ़ चुके हैं. बाँस मेरी चूत के दीवाने हो चुके थे और मेरी चूत को भी अब हर रोज लंड की जरूरत थी. जल्दी ही बाँस मेरी और अपनी जरूरत पूरी करने मेरे घर आये. घर में क्या क्या हुआ... मेरी सत्य कथा में पढ़ें. ...”

Story By: neha (neha.py1990)

Posted: सोमवार, अप्रैल 2nd, 2018

Categories: [ऑफिस सेक्स](#)

Online version: [बाँस के साथ दुबारा चुत चुदाई का मजा-1](#)

बाँस के साथ दुबारा चुत चुदाई का मजा-1

अन्तर्वासना की कहानी पढ़ने वाले मेरे यारो,

आप सब ने मेरी पिछली ट्रू सेक्स स्टोरी

बाँस के साथ पार्टी

पढ़ी, आपको अच्छी लगी, मेरी कहानी को सराहना देने लिये आप सभी का शुक्रिया।

अब आगे की कहानी पढ़ें और मजा लें !

पार्टी वाली रात की अगली सुबह बाँस के घर से फ़ोन आ गया तो बाँस सुबह सुबह ही निकल गए, जाते जाते उन्होंने मेरे होठों और चुत पर प्यार भरा किस किया।

उस दिन के बाद से मेरे और बाँस के बीच में एक वासना भरा रिश्ता सा जुड़ गया और बाँस मेरे कामुक अंगों के साथ ऑफ़िस में भी मौक़ा मिलते ही खेलने लगे।

अगले दिन मैं ऑफ़िस गयी पर बाँस के घर में कोई बीमार था तो वे नहीं आये थे इसलिये मैं अपना ऑफ़िस वर्क करके शाम को वापिस घर आ गयी।

इस तरह 3 दिन बीत गये।

फिर मेरे यार अनुराग उर्फ़ अनु ने मुझसे फ़ोन पर पूछा- कहीं घूमने चलोगी ?

तो मैंने पूछा- कहाँ ?

अनु- शिमला !

मैं- पर मेरी छुट्टी नहीं है।

अनु- ठीक है, मेरे दोस्त जा रहे हैं तो मैं उनके साथ जा रहा हूँ।

मैं- ठीक है, एन्जॉय करना और मेरे लिये गिफ्ट लाना मत भूलना।

अनु ने बाय बोल कर फ़ोन रख दिया।

मन तो मेरा भी था जाने का पर ऑफिस के काम के चक्कर में नहीं जा पायी।

अब मैं अपने रूम में अकेली थी और कुछ काम तो था नहीं इसलिये दिमाग में खुराफात सूझने लगी। मैंने अपने सारे कपड़े निकाल दिये और चुदायी की वीडियो देखते हुये चुत में उंगली करने लगी।

पर मेरी चुत को मोटे और लम्बे लंड लेने की आदत पड़ गयी थी तो अब उंगली से कम नहीं चल रहा था।

फिर मुझे याद आया बाँस मेरे लिये शैम्पेन की बोतल लाये थे। मैं शैम्पेन की बोतल को जमीन पर रख कर उसको चुत में लेकर उस पर बैठ गयी।

जैसे जैसे बोतल चुत में घुस रही थी, मेरी चुत फ़ट रही थी। पर मुझे सेक्स का नशा ऐसा लगा था कि मुझे चुत का फटना भी अच्छा लग रहा था।

अब तक 4 इंच बोतल मेरी चुत में घुस गयी थी जिसे मैं ऊपर नीचे होते हुए खुद को चोदने लगी।

फिर मैंने बोतल को पकड़ लिया और खड़ी होकर सोफे पर चली गयी। अब मैंने अपनी टाँगें ऊपर उठा ली जिससे बोतल में बची हुई शैम्पेन मेरी चुत में जानी लगी। वो बहुत ठंडी थी तो मेरी चुत को बहुत ठण्डा सा लगा और मुझे पेशाब आने लगी।

मैंने सोचा शैम्पेन अब तो कोई पियेगा नहीं, तो मैंने जल्दी जल्दी बोतल को चुत में घुसेड़ना सुरु कर दिया और फिर मेरी चुत ने पेशाब की एक तेज धार मार दी जो सीधा बोतल के अन्दर गयी।

मैंने एक गिलास के बराबर शैम्पेन की बोतल में अपना शूशू भर दिया और झड़ कर सोफे पर ही लेट गयी।

फिर मेरी नीन्द 2 घन्टे बाद खुली जब माँ का फ़ोन आया।

उन्होंने बताया कि अजय जो मेरी मौसी का लड़का है, मुझसे 2 साल छोटा भाई, उसका कोई एग्जाम है, वो तीन दिन के लिये दिल्ली आ रहा है। उससे बात कर लेना और अपने फ्लैट पर रोक लेना।

मुझे लगा कहीं अजय को मेरी सारी हरकतें पता चल गयी और वो माँ को बता देगा तो प्रोब्लम होगी इसलिये मैंने माँ को मना कर दिया अजय को अपने फ्लैट पर रोकने के लिये।

मां ने सोचा अकेली लड़की है कहीं कुछ गलत ना हो जाये, इसलिये वे मेरी बात मान गयीं।

अगले दिन मैं ऑफिस गयी तो बॉस आये हुए थे। उनकी नजर मेरी चुची पर थी जिसे मैंने देख लिया और बॉस को देख कर मुस्कुरा उठी।

थोड़ी देर में बॉस ने मुझे अपने केबिन में बुलाया। मैं जब गयी तो बॉस ने मुझे बाहों में ले लिया और मेरे होंठों को चूम लिया।

मैंने भी बॉस को बांहों में लेकर किस किया।

बॉस- नेहा मेरी जान, तुम्हारे लिये लंड तड़प रहा है।

मैं- क्यूँ सर ? बीवी के मुँह का छेद भी ढीला कर दिया क्या आपने ?

बॉस- तुम्हारी चुत चोदने के बाद इसको कोई और छेद अच्छा नहीं लग रहा है। तुम्हारी चुत बहुत टाइट है नेहा रानी। बहुत खूबसूरत चुत की मल्लिका हो तुम !

बॉस का इस तरह मेरी चुत की तारीफ करना मुझे अच्छा लग रहा था और मेरी चुत गीली होने लगी। मैंने शर्मा कर अपना चेहरा नीचे कर लिया।

बॉस ने मेरे चेहरे को ऊपर उठाया और मेरे होंठों पर किस करते हुए मेरे हाथों को अपने लंड के ऊपर रख दिया। उनका लंड खड़ा हो गया जो मुझे पैट के उपर से ही टाइट लग रहा था।

अब बाँस ने मेरे कान में कहा- नेहा, ये लंड तुम्हारा दीवाना है और हर समय तुम्हारे अन्दर रहना चाहता है। मेरे लंड को प्यार करो।

मैं बाँस के लंड की दीवानी थी इसलिये मैं मना नहीं कर पायी और बाँस की पैट की जिप खोल कर लंड बाहर निकाल लिया और बाँस के होठों को चूमते हुए लंड सहलाने लगी।

बाँस ने कहा- नेहा, चूसो मेरे लंड को!

मैंने कहा- सर, ऑफिस में कोई आ सकता है, आप शाम को घर आ जाइए।

बाँस ने कहा- ठीक है, पर मेरे लंड को तुम बहुत पसंद हो इसलिये लंड तुमको कुछ देना चाहता है।

मैंने फिर लंड की तरफ देखा तो उसमें एक धागा सा बन्धा हुआ दिखा, पर क्या था मुझे नहीं दिखा।

बाँस- नेहा, मेरे लंड का गिफ्ट लोगी ?

मैं- सर, आपका लंड ही मेरे लिये सबसे बड़ा गिफ्ट है।

बाँस- जाओ अपने गिफ्ट से गिफ्ट ले लो।

मैं नीचे को बैठ गयी और लंड को उठा कर देखा तो उसमें एक सोने की अंगूठी बंधी हुई थी। यह देख कर मैं बहुत खुश हुई और बाँस के लंड को मुँह में लेकर चूसने लगी। बाँस ने अपने लंड से मेरे मुँह को चोदना स्टार्ट कर दिया और मेरे मुँह में अपना वीर्य गिरा दिया, जिसे मैं पी गयी।

फिर बाँस ने मुझे खड़ा किया और अंगूठी को मेरी उंगली में पहना दिया। अंगूठी बिल्कुल फिट आयी जिसे देख कर मैं बहुत खुश हुई और बाँस से पूछा- उनको मेरी उंगली का साइज़ कहाँ से मिला तो उन्होंने बताया कि उस रात जब मैं उनकी बाहों में सो रही थी तो बाँस ने मेरी उंगली का साइज़ ले लिया था।

मुझे बाँस का गिफ्ट और उनका तरीका बहुत अच्छा लगा, मैंने खुशी से उनको गले से

लगा लिया।

मैं- तो सर आपने सिर्फ उंगली का ही साइज़ लिया था, और भी बहुत कुछ था आपके पास जिसका साइज़ ले सकते थे।

बाँस ने मेरी चुचियों को पकड़ लिया और दबा कर कहा- जानेमन, तुम्हारी चुची और गांड का साइज़ तो मैंने बहुत पहले ले लिया था। बस कन्फर्म करना था नाप कर। जो उस रात को कर लिया।

मैं- तो मेरी गांड और चुची का गिफ्ट कहाँ है ?

बाँस- तुमको जो भी गिफ्ट मिलेगी वो तुम्हें तुरन्त पहन कर दिखानी है। बोलो तो दे दूँ ?

मैं समझ गयी कि मेरी चुची और गांड के लिये क्या गिफ्ट है और ऑफ़िस था इसलिये मैंने बाँस को बोला- घर पर लेकर आइए, फिर जो देखना हो, देख लेना।

बाँस- ओ के मेरी जान।

और फिर मैं अपना काम निपटा कर शाम को घर आ गयी।

बाँस भी अपने घर चले गए।

शाम को मैं अपने फ्लैट में बैठ कर टीवी देख रही थी, तब डोरबेल बजी। मैं जल्दी से खोलने को गयी तो देखा बाँस थे और उनके हाथ में एक गिफ्ट का पैकेट है।

मैं- सर बहुत जल्दी है गिफ्ट देने की।

बाँस- नहीं, गिफ्ट लेने की जल्दी है।

मैं- क्या मतलब ?

बाँस- मतलब तुमको देखने की जल्दी थी।

मुझे लग रहा था कि बाँस के इरादे नेक नहीं हैं पर मैंने सोचा कि चुत में उंगली लेने से अच्छा है कि बाँस का लंड ही ले लूँ।



फिर मैंने बाँस को चाय पिलाई और फिर हम बैठ कर बात करने लगे।

बाँस- नेहा, तुमसे दूर रहने का मन नहीं करता है।

मैं- सर आपके सामने ही तो हूँ।

बाँस- सामने हो पर दूर हो।

मैं उठ कर बाँस की गोद में बैठ गयी। अब बाँस ने मेरी चुची को पकड़ लिया और दबाते हुए मेरे होठों का रस पीने लगे।

फिर बाँस ने कहा- नेहा, तुम्हारी चुची 34 इंच की हैं ना ?

मैं- जी सर... और अगर छोटी हुई तो आपके हाथों में हैं, बड़ी कर दीजिए !

बाँस ने मेरी टी शर्ट को ऊपर उठा दिया। मैं घर में ब्रा पेंटी नहीं पहनती हूँ इसलिये मेरे बूब्स बाँस के सामने नंगे थे जिन्हें बाँस ने चूसना शुरू कर दिया।

मैं- चूस लीजिये सर मेरे निप्पलों को... जोर से काट लीजिये।

मैंने बाँस के सर को पकड़ लिया और उनके मुँह में अपने निप्पल डाल कर चुसवाने लगी।

बाँस : नेहा मेरी जान, मुझे तुमको इन कपड़ों में देखना है !

बाँस ने मुझे वो गिफ्ट पकड़ाते हुए कहा.

मैं- सर ये अंडरगार्मेण्ट्स हैं ना ?

बाँस- हां... तुम पर अच्छे लगेंगे !

मैं- अंडरगार्मेण्ट्स तो नंगे होकर पहनते हैं पर अभी मैं नंगी नहीं हूँ सर !

बाँस मेरा मतलब समझ गये और मेरी टीशर्ट के साथ मेरी लैगी को निकाल दिया। अब मैं बाँस के सामने बिल्कुल नंगी खड़ी थी, मेरी चुत बिल्कुल गीली हो गयी थी।

बाँस ने मेरी चुत को सहलाया और उंगली डाल कर चुत का रस निकाल लिया और चाट लिया 'उम्माह'

बाँस ने दोबारा मेरी चुत में उंगली घुसा कर मेरी चुत का रस निकाला और इस बार उन्होंने वो उंगली मुझे कहता डी, मैं अपनी ही चुत का रस चाट गई.

इसने बाद बाँस ने मेरे होंठों पर अपने होंठ रख दिए और मुझे फ्रेंच किस करने लगे. करीब पांच मिनट बाद बाँस ने मुझे छोड़ा और बोले- नेहा, अब तो तुम बिल्कुल नंगी हो अब इन्हें पहन कर दिखाओ।
मैं- ओके सर।

मैंने वो गिफ्ट उठा लिया और अन्दर के कमरे में चली गयी. जब मैंने गिफ्ट खोला तो देख कर दंग रह गयी, उसमें एक डोरी वाली ब्रा थी जिसमें दो तिकोने छोटे छोटे से कपड़े लगे हुए थे।
मैंने उस ब्रा को पहन लिया तो उससे मेरे निप्पल तो ढक गये और बाकी सब कुछ यानि मेरी पूरी चुचियाँ नंगी दिख रही थी।

फिर मैंने पेंटी उठायी जिसमें नीचे की साइड जहाँ चुत का छेद होता है वहाँ 6 इंच सा प्लास्टिक का लंड जुड़ा हुआ था और पीछे कमर तक एक मोतियो की डोरी थी।
जब मैंने उसे पहना तो वो लंड मेरी चुत में घुसने लगा, मैंने उसे अपनी चुत के अन्दर सेट कर लिया और मोतियों वाली डोरी मेरी गांड के छेद से चिपक गयी।

वो ब्रा और पेंटी रेड कलर में थी जो मेरे गोरे जिस्म पर बहुत खूबसूरत लग रही थी।
मैंने अपने आप को शीशे में देखा तो मैं बहुत सेक्सी लग रही थी।
प्लास्टिक का लंड मेरी चुत में एकदम सही फिट हो गया और मुझे बहुत अच्छा लग रहा था।

फिर मैंने अपने बदन पर ऊपर से गाऊन डाल लिया बाँस के पास जाने लगी। जैसे ही मैंने एक पैर उठाया, प्लास्टिक लंड थोड़ा सा ऊपर हूआ। और दूसरा पैर उठते ही वो और

अन्दर घुस गया और मोतियों वाली डोरी मेरी गांड के छेद को रगड़ रही थी जो एक अजीब सी मस्ती दे रही थी मुझे ।

मैं चलते चलते कमरे से बाहर निकली तो देखा कि अब तक बाँस ने अपने सारे कपड़े निकाल दिये थे और सिर्फ चड्डी में बैठ कर मेरा इन्तजार कर रहे थे । उन्हें देख कर मैं समझ गयी कि आज बहुत चुदने वाली हूँ ।

मैं जब चल रही थी तो पेंटी वाला लंड मेरी चुत में घुस जाता और कभी थोड़ा बाहर को निकल जाता । इस तरह मैं उम्ह... अहह... हय... याह... प्लास्टिक के 6 इंच के लंड से चुदते हुए चल रही थी ।

मुझसे ठीक से चला नहीं जा रहा था जिसे बाँस देख कर मुस्करा रहे थे । और फिर बाँस मेरे पास आ गये और मेरे होठों को चूम लिया ।

मेरे अन्तर्वासना के प्यारे पाठको, मेरी टू सेक्स स्टोरी आपको कैसी लग रही है ? मुझे मेल करें !

मेरे बाँस के साथ सच्ची चुदाई कहानी जारी रहेगी.

लव यू आल !

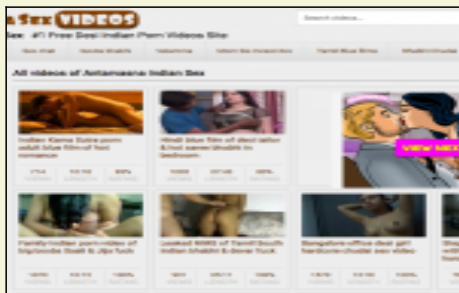
neha.py1990@gmail.com

मेरी टू सेक्स स्टोरी का अगला भाग : बाँस के साथ दुबारा चुत चुदाई का मजा-2



Other sites in IPE

Antarvasna Sex Videos



URL: www.antarvasnasexvideos.com
Average traffic per day: 40 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India First free Desi Indian porn videos site.

Antarvasna



URL: www.antarvasnasexstories.com
Average traffic per day: 480 000 GA sessions **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Best and the most popular site for Hindi sex stories about Desi Indian sex.

Antarvasna Hindi Stories



URL: www.antarvasnahindistories.com
Average traffic per day: New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Wahed



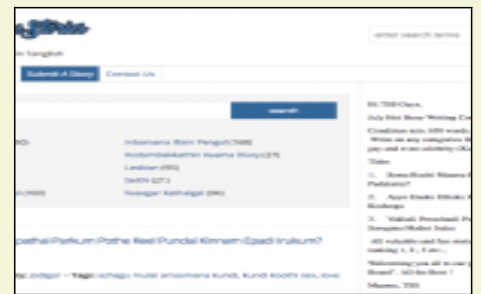
URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Kannada sex stories



URL: www.kannadasexstories.com
Average traffic per day: 13 000 GA sessions **Site language:** Kannada **Site type:** Story **Target country:** India Big collection of Kannada sex stories in Kannada font.

Tanglish Sex Stories



URL: www.tanglishsexstories.com **Average traffic per day:** 5 000 GA sessions **Site language:** Tanglish **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated hot erotic Tanglish stories.